SAARTHI · सारथी

करियर मार्गदर्शन पोर्टल · Career Guidance Portal

"सही मार्गदर्शन, उज्ज्वल भविष्य।"

करियर शीट · CAREER SHEET

Helper – Shuttering Carpenter

हेल्पर – शटरिंग कारपेंटर आर.सी.सी. (कंक्रीट) निर्माण में शटरिंग यानी फ़ॉर्मवर्क बनाने में बढ़ई की मदद करता है। जब किसी इमारत की छत, बीम, कॉलम या स्लैब की ढलाई होती है, तो कंक्रीट को आकार देने के लिए लकड़ी/प्लाईवुड और स्टील की...

इस करियर की पूरी जानकारी — स्कैन करें

वेतन, परीक्षा, कॉलेज, प्रवेश के रास्ते और आगे के कदम — सब पोर्टल पर।

career.gsssjethantri.in/#/career/voc-6363

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जेठन्तरी

Govt. Sr. Sec. School, Jethantri · ब्लॉक समदड़ी · बालोतरा (Block Samdari · Balotra)

www.gsssjethantri.in · career.gsssjethantri.in

सुशील कुमार शर्मा
प्रधानाचार्य, रा.उ.मा.वि. जेठन्तरी · मास्टर ट्रेनर
Principal, GSSS Jethantri · Master Trainer

श्री चेनाराम चौधरी
प्रधानाचार्य, डाइट बाड़मेर
Principal, DIET Barmer

श्रीमती संघमित्रा
वरिष्ठ व्याख्याता, डाइट बाड़मेर (सहयोग)
Sr. Lecturer, DIET Barmer (Support)

भरत चौधरी
अभिकल्पना व विकास · व्याख्याता (इतिहास)
Designed & developed · Lecturer (History)

विशेष धन्यवाद · SPECIAL THANKS

सुरेन्द्र सिंह राठौड़
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. कानाना

सुरेश कुमार सैन
व्याख्याता (भूगोल) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

वनिता कुमारी
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

कमलेश चौधरी
व्याख्याता (राजनीति विज्ञान) · रा.उ.मा.वि. टापरा

करियर मार्गदर्शन कार्यशाला, डाइट बाड़मेर (14–17 जुलाई 2026) में विकसित व लोकार्पित
Developed & unveiled at the Career Guidance Workshop, DIET Barmer (14–17 July 2026)

यह एक स्वतंत्र परियोजना है, जो सरकार की आधिकारिक करियर-मार्गदर्शन सामग्री पर आधारित है। · An independent project based on the Government's official career-guidance content.

1 यह करियर क्या है

हेल्पर – शटरिंग कारपेंटर आर.सी.सी. (कंक्रीट) निर्माण में शटरिंग यानी फ़ॉर्मवर्क बनाने में बढ़ई की मदद करता है। जब किसी इमारत की छत, बीम, कॉलम या स्लैब की ढलाई होती है, तो कंक्रीट को आकार देने के लिए लकड़ी/प्लाईवुड और स्टील की अस्थायी ढाँचा (शटरिंग) खड़ी की जाती है — हेल्पर इसी सामग्री, कम्पोनेंट्स और औज़ारों को पहचानना, उठाना-रखना, साफ़ करना और बढ़ई को थमाना सीखता है। वह इमारती लकड़ी व प्लाईवुड के साथ काम करता है और हाथ के औज़ारों की अच्छी समझ रखता है। यह निर्माण उद्योग में प्रवेश का आसान रास्ता है, जहाँ मेहनत और अनुभव के साथ कुशल शटरिंग कारपेंटर और आगे सुपरवाइज़र तक बढ़ा जा सकता है।

2 एक नज़र में

न्यूनतम योग्यता	8वीं पास + 18 वर्ष (एनएसक्यूएफ लेवल 2)
कोर्स अवधि	लगभग 2–4 माह (ऑन-जॉब सहित)
आरंभिक वेतन	₹9,000–14,000/माह
कार्य-शैली	निर्माण साइट पर पूर्णकालिक शारीरिक काम

3 क्या-क्या चाहिए

रुचियाँ

- लकड़ी, औज़ार और हाथ से बनाने-गढ़ने के काम में रुचि
- टीम के साथ मिलकर मेहनत का काम करना पसंद
- निर्माण और इमारतें खड़ी होते देखने का उत्साह

क्षमताएँ

- शारीरिक रूप से स्वस्थ और मेहनती होना
- काम करते समय बारीकी और सुरक्षा पर ध्यान
- दिए गए निर्देशों को ध्यान से समझना और अनुसरण करना

ज़रूरी कौशल

- शटरिंग/फ़ॉर्मवर्क सामग्री, कम्पोनेंट्स और औज़ारों की पहचान व हैंडलिंग
- हाथ के औज़ारों (आरी, हथौड़ा, कील, लेवल) का सुरक्षित उपयोग
- इमारती लकड़ी और प्लाईवुड को काटने-नापने में बढ़ई की मदद
- शटरिंग खड़ी करना, खोलना, साफ़ करना और तेल लगाना

- साइट पर सुरक्षा नियमों और पीपीई का पालन
- बढ़ई व साइट टीम के साथ तालमेल और बुनियादी माप-गणना
- सामग्री को सही जगह उठाना, रखना और व्यवस्थित करना

4 कैसे पहुँचें

1. कक्षा 8 पूरी करें और 18 वर्ष की आयु प्राप्त करें।
2. शटरिंग कारपेंटरी में एनएसक्यूएफ लेवल 2 (हेल्पर/असिस्टेंट शटरिंग कारपेंटर) कोर्स के लिए सीएसडीसीआई/एनएसडीसी केंद्र में नामांकन करें।
3. आईटीआई की कारपेंटर ट्रेड से भी बुनियादी लकड़ी व औज़ार कौशल सीखा जा सकता है।
4. किसी निर्माण साइट पर हेल्पर के रूप में ऑन-जॉब अनुभव लें और शटरिंग बढ़ई से सीखें।
5. अनुभव के साथ हेल्पर से असिस्टेंट शटरिंग कारपेंटर और फिर पूर्ण शटरिंग कारपेंटर बनें।
6. राजस्थान में आरएसएलडीसी/पीएमकेवीवाई केंद्रों से भी मुफ़्त प्रशिक्षण व प्लेसमेंट सहायता ली जा सकती है।

प्रमुख परीक्षाएँ

- सीएसडीसीआई/एनएसडीसी द्वारा शटरिंग कारपेंटरी ट्रेड का कौशल मूल्यांकन व प्रमाणन

5 कहाँ से पढ़ें

सरकारी संस्थान

- राजस्थान कौशल एवं आजीविका विकास निगम (RSLDC) — जयपुर, राजस्थान (https://livelihoods.rajasthan.gov.in/rsldc/)
- आईटीआई – कारपेंटर ट्रेड (रोजगार एवं प्रशिक्षण निदेशालय, राजस्थान) — राजस्थान के विभिन्न जिले
- जन शिक्षण संस्थान (JSS) — राजस्थान के विभिन्न जिले (https://nsdcindia.org/find-nsdc-training-centre-jss/)
- राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (NSDC) – शटरिंग कारपेंटर प्रशिक्षण केंद्र — अखिल भारतीय नेटवर्क (https://www.nsdcindia.org/find-nsdc-training-centre)
- एनआईओएस व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र — ऑनलाइन/निकटतम केंद्र खोजें (https://voc.nios.ac.in/registration/locate-study-centre)

निजी संस्थान

- Construction Skill Development Council of India (CSDCI) – संबद्ध प्रशिक्षण केंद्र — अखिल भारतीय / नई दिल्ली (https://www.csdcindia.org/)
- Construction Industry Development Council (CIDC) — अखिल भारतीय / नई दिल्ली (https://www.cidc.in/)

ऑनलाइन

- स्किल इंडिया डिजिटल हब — ऑनलाइन (https://www.skillindiadigital.gov.in/)
- एनएसडीसी – शटरिंग कारपेंटर (सिस्टम) — ऑनलाइन (https://nsdcindia.org/shuttering-carpenter-system)

फ़ीस

अधिकांश सरकारी योजनाओं (एनएसडीसी, सीएसडीसीआई, आरएसएलडीसी, पीएमकेवीवाई, जेएसएस) के तहत यह प्रशिक्षण मुफ़्त है और कई बार वज़ीफ़ा भी मिलता है। निजी संस्थानों की कारपेंटरी/फ़ॉर्मवर्क कक्षाओं की फीस लगभग ₹3,000–15,000 तक हो सकती है।

छात्रवृत्तियाँ

- राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल (NSP) (https://scholarships.gov.in/fresh/onlineInstituteSearchIndex)
- Buddy4Study – ITI/Vocational Scholarships (https://www.buddy4study.com/article/iti-scholarships)
- SJE Rajasthan Scholarships (https://sje.rajasthan.gov.in/)

6 काम कैसा होता है

कहाँ काम

निर्माण एजेंसियों की साइटें — इमारतें, अपार्टमेंट, फ्लाईओवर, पुल, मेट्रो, बाँध और बड़े इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट जहाँ आर.सी.सी. कंक्रीट का काम होता है।

कार्य-संस्कृति

आमतौर पर हफ्ते में 6 दिन, रोज़ कम से कम 8–9 घंटे काम होता है; शिफ्ट ड्यूटी और ओवरटाइम आम है। काम खुली साइट पर धूप, धूल और ऊँचाई पर होता है, इसलिए सुरक्षा उपकरण ज़रूरी हैं। इस क्षेत्र में दिव्यांगजनों के लिए भी कुछ अवसर मौजूद हैं।

कौन नौकरी देता है

- लार्सन एंड टुब्रो (L&T) और शापूरजी पालोनजी जैसी बड़ी निर्माण कंपनियां
- रियल एस्टेट बिल्डर्स और अपार्टमेंट/टाउनशिप डेवलपर्स
- सरकारी निर्माण एजेंसियां (पीडब्ल्यूडी, आरएसआरडीसी) के प्रोजेक्ट
- टाटा प्रोजेक्ट्स, एनसीसी और सिम्प्लेक्स जैसी इन्फ्रास्ट्रक्चर ठेकेदार फर्में
- राजस्थान के स्थानीय सिविल ठेकेदार और भवन-निर्माण फर्में
- फ़ॉर्मवर्क/शटरिंग सामग्री सप्लायर व किराया कंपनियां

माँग (2026)

भारत में सड़क, मेट्रो, आवास, पुल और स्मार्ट सिटी जैसे इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट तेज़ी से बढ़ रहे हैं और लगभग हर आर.सी.सी. निर्माण में शटरिंग/फ़ॉर्मवर्क की ज़रूरत पड़ती है, इसलिए कुशल शटरिंग बढ़ई और उनके हेल्परों की माँग लगातार बनी रहती है। राजस्थान में जयपुर, जोधपुर, उदयपुर व कोटा जैसे शहरों में तेज़ निर्माण गतिविधि इस काम को स्थिर रोज़गार बनाती है, और अनुभव के साथ आमदनी व ज़िम्मेदारी दोनों बढ़ती हैं।

7 आगे बढ़ने का रास्ता

1. हेल्पर – शटरिंग कारपेंटर (सहायक बढ़ई)
2. असिस्टेंट शटरिंग कारपेंटर / असिस्टेंट मचान
3. शटरिंग कारपेंटर (सिस्टम/पारंपरिक) / भवन बढ़ई
4. चार्जहैंड शटरिंग कारपेंटर / कार्य पर्यवेक्षक
5. निर्माण ठेकेदार / परियोजना प्रबंधक

कमाई

शुरुआत	₹9,000–14,000/माह
मध्य स्तर	₹15,000–22,000/माह
वरिष्ठ स्तर	₹25,000–40,000+/माह

सरकारी एनसीएस आँकड़ों के अनुसार एक सहायक शटरिंग बढ़ई की आमदनी लगभग ₹6,000–18,000/माह होती है, जबकि ग्लासडोर के अनुसार अनुभवी शटरिंग कारपेंटर की आय लगभग ₹24,000/माह तक पहुँच जाती है। कुशल शटरिंग कारपेंटर बनने और चार्जहैंड/सुपरवाइज़र पद तक पहुँचने पर आमदनी काफी बढ़ जाती है; ये आँकड़े सांकेतिक हैं और शहर, कंपनी व अनुभव के अनुसार बदलते हैं।

8 अच्छी बातें · चुनौतियाँ

अच्छी बातें

- कम पढ़ाई (8वीं) से भी बढ़ते निर्माण उद्योग में प्रवेश का आसान रास्ता
- मुफ़्त सरकारी प्रशिक्षण और साइट पर काम सीखकर हुनर बढ़ाने का मौका
- अनुभव से कुशल कारपेंटर और सुपरवाइज़र/ठेकेदार तक तरक्की

चुनौतियाँ

- धूप, धूल, ऊँचाई और भारी वज़न का शारीरिक रूप से कठिन काम
- औज़ारों और साइट पर चोट का जोखिम, सुरक्षा बेहद ज़रूरी
- शुरुआती स्तर पर वेतन कम और काम अक्सर अस्थायी/प्रोजेक्ट आधारित

9 असल ज़िंदगी की कहानियाँ

Rahul Vishwakarma
इंडियास्किल्स 2024 में कारपेंट्री (बढ़ईगीरी) के गोल्ड विजेता और वर्ल्डस्किल्स ल्योन 2024 में भारत के कारपेंट्री प्रतियोगी

मध्य प्रदेश के राहुल विश्वकर्मा ने बढ़ईगीरी के हुनर में इतनी मेहनत की कि उन्होंने इंडियास्किल्स 2024 की राष्ट्रीय प्रतियोगिता में कारपेंट्री ट्रेड का गोल्ड मेडल जीता और फ्रांस के ल्योन में हुई वर्ल्डस्किल्स 2024 प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व किया, जहाँ दुनिया भर के देश प्रतिस्पर्धा कर रहे थे। उनकी कहानी दिखाती है कि लकड़ी, औज़ार और शटरिंग जैसे बढ़ईगीरी के कामों में साधारण शुरुआत से भी, लगन और अभ्यास के दम पर राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय पहचान और मज़बूत करियर बनाया जा सकता है।

WorldSkills India / IndiaSkills 2024 · https://www.worldskillsindia.co.in/pdf/IndiaSkills_2024_WINNERS.pdf

Pragya Ganesh Lohan
अपने ज़िले की पहली महिला बढ़ई, रायगड

रायगड की प्रज्ञा गणेश लोहन को उनके ज़िले की पहली महिला बढ़ई माना जाता है। 16 वर्ष की उम्र से वे अपने पिता गणेश लोहन के साथ उनकी बढ़ईगीरी वर्कशॉप जाने लगीं और उन्हें काम करते देख-देखकर हुनर सीखा — पहले पढ़ाई के साथ छुट्टियों में, और स्कूल पूरा होने के बाद पूरे समय। आज वे धातु और काँच के दरवाज़े-खिड़कियाँ बनाती हैं, और उनके पिता कहते हैं कि वे उनसे भी बेहतर काम करती हैं। पुरुष-प्रधान माने जाने वाले इस क्षेत्र में उनकी कहानी उन सभी लड़कियों के लिए प्रेरणा है जो बढ़ईगीरी, शटरिंग या निर्माण जैसे भरोसे वाले कामों में आगे बढ़ना चाहती हैं।

SheThePeople · https://www.shethepeople.tv/top-stories/inspiration/indian-women-carpenters-raigad

10 स्रोत व आगे पढ़ें

1. राजस्थान करियर गाइडेंस – हेल्पर – शटरिंग कारपेंटर — https://cg.rajasthan.gov.in/careerguidance/hi/career/%e0%a4%b9%e0%a5%87%e0%a4%b2%e0%a5%8d%e0%a4%aa%e0%a4%b0-%e0%a4%b6%e0%a4%9f%e0%a4%b0%e0%a4%bf%e0%a4%82%e0%a4%97-%e0%a4%95%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a4%aa%e0%a5%87%e0%a4%82%e0%a4%9f%e0%a4%b0/

2. सीएसडीसीआई – हेल्पर शटरिंग कारपेंटर मॉडल पाठ्यक्रम (CON/Q0301) — https://www.csdcindia.org/wp-content/uploads/2025/09/CON-Q0301.pdf

3. एनएसडीसी – शटरिंग कारपेंटर (सिस्टम) — https://nsdcindia.org/shuttering-carpenter-system

4. ग्लासडोर – शटरिंग कारपेंटर वेतन (भारत) — https://www.glassdoor.co.in/Salaries/carpenter-shuttering-salary-SRCH_KO0,20.htm

5. राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल — https://scholarships.gov.in

और 770+ करियर — पूरा पोर्टल
रुचि व योग्यता परीक्षण, सरकारी नौकरियाँ, कौशल पाठ्यक्रम, बायोडाटा बनाने की सुविधा — सब मुफ़्त, बिना लॉगिन, इंटरनेट के बिना भी।
career.gsssjethantri.in